>

Title: Need to identify beedi workers in Pratapgarh in Uttar Pradesh to include them as beneficiaries of welfare and social security schemes.

राजकुमारी रत्ना सिंह (प्रतापगढ़)ः मेरे संसदीय क्षेत्र प्रतापगढ़ में 15 हजार से ज्यादा बीड़ी श्रमिक होने के बाद भी अभी तक प्रतापगढ़ को बीड़ी मजदूर बहुल क्षेत्र के रूप में चिन्हित नहीं किया है। जिसके कारण इन मजदूरों को स्वास्थ्य, श्रमिक कल्याण संबंधी एवं केन्द्र सरकार द्वारा क्रियान्वित योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र के गोला ब्लॉक, कालाकांकेर ब्लॉक, पट्टी ब्लॉक, मानदाता ब्लॉक, कुन्डा ब्लॉक, शिवगढ़ ब्लॉक में यह बीड़ी मजदूर फैले हुए हैं और इनके परिवार दयनीय स्थिति से गुजर रहे हैं और कई परिवार टी.बी. की बीमारी से ग्रस्त हैं। प्रतापगढ़ जिले में 22 इकाइयों में बीड़ी बनाने का कार्य इनको सिखाया जा रहा है जिससे बीड़ी मजदूरों की संख्या बढ़ रही है। मेरे संसदीय क्षेत्र प्रतापगढ़ के आस-पास के जिलों में बीड़ी मजदूरों को चिन्हित किया हुआ है तो प्रतापगढ़ को शामिल क्यों नहीं किया जा रहा है। दूसरी ओर, दो हजार बीड़ी बनाने के लिए केवल 35 रुपए दिया जाता है। एक परिवार जिसमें चार सदस्य होते हैं वे दो दिन में 2000 बीड़ी बना पाते हैं जो एक दिन का 15 रुपए से कम पड़ता है। इस तरह से बीड़ी मजदूरों को उनकी मेहनत का पर्याप्त पैसा नहीं मिलता है।

मेरा अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र प्रतापगढ़ को बीड़ी मजदूरों की बहुलता वाले क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया जाए जिससे बीड़ी मजदूरों के कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित किया जा सके।